दैनिक जागरण

मानसिक बीमारियों की रोकथाम को नेटवर्क से जुड़ेंगे चिकित्सा संस्थान

अमेरिका की तर्ज पर नेशनल नेटवर्क ऑफ डिप्रेशन सेंटर इन इंडिया का गठन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: बुराड़ी में एक ही परिवार के 11 लोगों द्वारा आत्महत्या करने की घटना से पूरा देश स्तब्ध रह गया था। इस घटना को शेयर डिलूशन व साइकोसिस जैसी मानसिक बीमारियों से भी जोड़कर देखा गया। इसलिए यह घटना मनोचिकित्सकों के लिए चर्चा का विषय रही। भारत में मानसिक तनाव व असवाद जैसी बीमारियों के बढ़ते मामलों के मद्देनजर मनोचिकित्सकों ने अमेरिका की तर्ज पर यहां भी नेशनल नेटवर्क ऑफ डिप्रेशन सेंटर इन इंडिया (एनएनडीसी– आइ) का गठन किया है। इस नेटवर्क से मानसिक बीमारियों का इलाज करने वाले सभी चिकित्साा संस्थान जुड़ेंगे।

इस सेंटर के पदाधिकारियों का कहना है कि मनोचिकित्सा के क्षेत्र में काम करने वाले चिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों के अलावा समाज सेवकों को भी इस नेटवर्क से जोड़कर एक प्लेटफार्म पर लाया जाएगा। वर्तमान में सभी संस्थान अपने–अपने स्तर से काम कर रहे है। वहीं, लोगों में मानिसक बीमारियों के प्रति जागरूकता का अभाव है। इसलिए तनाव व अवसाद से पीड़ित ज्यादातर लोग इलाज के लिए अस्पताल नहीं पहुंचते हैं। एनएनडीसी–आइ के संरक्षक सेवानिवृत्त एयर मार्शल नरेश वर्मा ने कहा कि अमेरिका में नेशनल नेटवर्क ऑफ डिप्रेशन सेंटर इन इंडिया (एनएनडीसी) है, जिससे 25 संस्थान जुड़े हुए हैं। इसी तरह यहां भी नौ जुलाई से एनएनडीसी – आइ का गठन किया गया है, जिसे अमेरिका के एनएनडीसी का सहयोग भी मिल रहा है। अमेरिका के लोयला मेडिसिन के मनोचिकित्सक डॉ. मुरली राव इसके संस्थापक चेयरमैन हैं। एनएनडीसी – आइ के उपाध्यक्ष व एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. नंद कुमार के कहा कि इस सेंटर से एम्स, निम्हांस, पीजीआइ चंडीगढ़, दिल्ली स्थित आरएमएल अस्पताल व रांची स्थित अस्पताल जुड़ चुके हैं। इसके अलावा अभी और संस्थान इससे जुड़ेंगे। इससे सभी संस्थानों के विशेषज्ञ आपस में शोध व नवीनतम तकनीकों को साझा कर सकेंगे। नेटवर्क का इस्तेमाल मुख्य रूप से लोगों को जागरूक करने में किया जाएगा।

जल्द जारी होगी हेल्पलाइन नम्बर: सेंटर की कार्यकारी निदेशक व एम्स की शोधार्थी हिना शर्मा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, देश में पांच में हर एक व्यक्ति मानसिक अवसाद से पीड़ित होता है। यह सेंटर लोगों को जागरूक करने में मददगार बनेगा। आने वाले दिनों में हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाएगा तथा मोबाइल एपी भी लांच किया जाएगा।